Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding reported missing of a key witness in sexual abuse of minor girls in Muzaffarpur Shelter home.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल): मैडम, प्लीज मुझे 5 मिनट का मौका दीजिए। 24 तारीख को मैंने मुजफ्फरपुर की बलात्कार की घटना के संबंध में इसी सदन में आवाज उठाई थी। होम मिनिस्टर साहब ने इसके संबंध में जवाब दिया था। उसके एक-दो दिन के बाद वहां सीबीआई जांच के लिए परमीशन मिली थी। मैं आपको सिलसिलेवार बताना चाहूंगी।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :अभी नहीं, सीबीआई की जांच चल रही है।

…(व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन : मैडम, आपको 5 मिनट देना पड़ेगा। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: देना पड़ेगा, तो बिल्कुल नहीं दूंगी।

…(व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन : यह बहुत महत्वपूर्ण है।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सिलसिलेवार सीबीआई जांच हो रही है। आपको जो बात उठानी है, थोड़े शब्दों में उठाइए। बाद में जय प्रकाश जी भी वही बोलना चाहते हैं।

…(व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन: मैडम, हमने क्रिमिनल लॉ पास किया, लेकिन अगर सबूत मिटा दिए जाएंगे, तो किनको न्याय मिलेगा? मैं डिटेल बताना चाहूंगी कि 28 मार्च को टेस्ट की रिपोर्ट आती है। समाज कल्याण विभाग के पास दो महीने तक रिपोर्ट को छिपा कर रखा जाता है। 30 मई को एफआईआर का आदेश होता है। 31 मई को एफआईआर होती है, लेकिन 28 मई को, जिन 40 लड़कियों के बलात्कार की पुष्टि हुई थी, उनको एफआईआर से पहले तीन जगहों मधुबनी, पटना और मोकामा में शिफ्ट कर दिया जाता है। 8 जून को सभी 40 की मेडिकल जांच हो जाती है। 8 जून को

मेडिकल जांच होने के बावजूद मुजफ्फरपुर पुलिस को 20 जुलाई को लगभग डेढ़ महीने के बाद मेडिकल रिपोर्ट दी जाती है। वह भला हो एसपी का, वह महिला थी, इस कारण यह ओपन हो पाया, तो हम इसे यहां उठा पाए। सीबीआई से पहले ही मामले को सेट कर दिया गया।

माननीय अध्यक्ष: ऐसा एलिगेशन नहीं। जय प्रकाश जी अब आप बोलिए।

…(व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन : मैडम, मेरी बात खत्म नहीं हुई है।…(व्यवधान) मुजफ्फरपुर बलात्कार की जो मुख्य गवाह थी, उसको मधुबनी रखा गया। …(व्यवधान) वह मधुबनी से गायब है। वहां की एनजीओ एक्सेप्ट कर रही है कि वह लड़की गायब है, हमें नहीं पता। …(व्यवधान) जो मेन मीडिएटर थे, मधु और दिलीप, वे नेपाल जाकर गायब हो गए हैं। 11 महिलायें, 4 बच्चियां एक और शेल्टर से गायब हैं।…(व्यवधान) मेरी फिर प्रश्न है कि उन 14 संस्थाओं की जांच क्यों नहीं हो रही है? …(व्यवधान)

उन 14 संस्थाओं की जो टेस्ट की रिपोर्ट है, वह उजागर क्यों नहीं हो रही है? उन बच्चियों की सुरक्षा का इंतजाम क्यों नहीं किया गया? आज वे बच्चियां कहां पर हैं, कौन सी जगह हैं, किसी को मालूम नहीं है। …(व्यवधान) सारे सबूत नष्ट कर दिए गए हैं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :आप सभी सहयोगी बनिए।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

श्री धनंजय महाडीक,

श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन,

श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन,

श्री पी. के. बिजू,

श्री एम. बी. राजेश और

श्रीमती पी. के. श्रीमथि टीचर को श्रीमती रंजीत रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका):अध्यक्ष महोदया, जो सवाल अभी माननीय रंजीता जी ने उठाया, माननीय गृह मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, उस दिन सबसे पहले इस सवाल को मैंने उठाने का काम किया था। मुजफ्फरपुर, बिहार में बालिका गृह में उन 40 अनाथ बच्चियों के साथ दुराचार हुआ, अनाचार हुआ, दुष्कर्म हुआ।…(व्यवधान) जैसे कोई लकड़ी का खिलौना होता है, वैसे उसके शरीर के साथ खिलवाड़ करने का काम किया गया है। …(व्यवधान) शर्म से देश में बिहार का माथा झुका है। …(व्यवधान) साक्ष्य मिटाये जा रहे हैं। …(व्यवधान) बच्चियों को बदला जा रहा है। …(व्यवधान) इसकी न्यायालय से मानिटरिंग कराई जाए। लड़कियों को दिल्ली सुरक्षित लाया जाए। एफआईआर को बदला जा रहा है। …(व्यवधान) साक्ष्य को मिटाया जा रहा है। मुजरिम को बचाया जा रहा है। …(व्यवधान) सरकार का सीधा-सीधा इसमें हाथ है। इसलिए देश और दुनिया में बिहार का माथा झुका है। सीता का हरण हुआ था, तो लंका दहन हुआ। …(व्यवधान) द्रौपदी का चीरहरण हुआ था। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप सभी लोग इनके साथ एसोसिएट कर दीजिए। आप अपने नाम लिखवा दीजिए। सबको बोलने की अनुमति नहीं मिलेगी। No, I am sorry. Now, Shri Gopal Shetty.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

…(Interruptions)… *

माननीय अध्यक्ष: निनोंग इरिंग जी, आपने अपनी बात पूरी नहीं की थी।

… (व्यवधान)

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका): माननीय अध्यक्ष जी, मैं सदन में अपनी बात कहना चाहता हूं।… (व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल): माननीय अध्यक्ष जी, एक बहुत ही गंभीर मामला है।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: जय प्रकाश जी, आप एक मिनट मेरी बात सुनिए।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: रंजीत रंजन जी, जय प्रकाश जी, आप बैठिए।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं जो कह रही हूं, आप उसे तो समझें।

… (व्यवधान)

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Madam, we need an answer from the Government … (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Yes.

… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: आप लोगों ने जो मामला उठाया है, वह केवल आपका मामला नहीं है। सभी लोग इससे सहमत हैं, महिलाओं, लड़कियों पर कहीं भी अत्याचार हो, वह अत्याचार कोई भी सहन नहीं कर सकता है। सरकार ने तुरंत सीबीआई जांच के लिए कहा है। मैं आज और कहूंगी कि सीबीआई जांच ठीक तरीके से हो। यहां आज जो दर्द उठाया गया है, इसकी दखल सरकार ले। मैं सरकार से निवेदन करूंगी कि हर उस चीज पर कहीं न कहीं ठीक तरीके से निगरानी रखे, समाधान भी ठीक हो जाना चाहिए। महिलाओं के साथ वास्तव में जो होता है, मैं समझती हूं कि यह सेंसटिव मामला है। सरकार ने सीबीआई जांच स्वीकार की है।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं इतना ही निवेदन करूंगी, Please take it seriously. That is all.

… (*Interruptions*)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा): माननीय अध्यक्ष जी, मैं एक मिनट के लिए बोलना चाहता हूं।

माननीय अध्यक्ष: सबने नहीं बोलना है।

… (व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : होम मिनस्टर यहीं थे, वह क्लेरिफिकेशन दे सकते थे।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: वह रोज स्टेटमेंट नहीं देंगे।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अब आप इसे और बढ़ाना चाहेंगे तो अलग बात है।

… (व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन: यह सही नहीं है।… (व्यवधान)

श्री जय प्रकाश नारायण यादव : मंत्री जी, यहां हैं।… (व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : माननीय अध्यक्ष जी, होम मिनिस्टर तो यहीं हैं, उन्होंने पूरी बात सुनी है। जब पूरी बात उन्होंने सुनी है तो यहां पर आकर रिप्लाई देने में क्या दिक्कत है? … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: वह क्या रिप्लाई देंगे जब जांच चल रही है?

… (व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : उन्होंने जो आपत्ति उठाई है, उसका जवाब दे सकते हैं।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: जीरो आवर में रोज रिप्लाई नहीं दिया जाता है।

… (व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: सबूत को बर्बाद कर रहे हैं, सप्रैस कर रहे हैं।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: खड़गे जी, आप मेरी बात समझ रहे हैं।

… (व्यवधान)

SHRI MALLIKARJUN KHARGE: Madam, we respect you. Please ask the Home Minister to come and reply … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: मैंने इसीलिए सरकार को बोला है। सीबीआई जांच हो रही है। जीरो आवर में रोज रिप्लाई नहीं होता है।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: जय प्रकाश जी, आप बैठिए।

… (व्यवधान)

श्री जय प्रकाश नारायण यादव: हम वॉक आउट करते हैं।… (व्यवधान)

श्री दिनेश त्रिवेदी (बैरकपुर): हम भी इनके साथ वॉक आउट करते हैं।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अनंत कुमार जी, आप कुछ कहना चाहते हैं?

… (व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनंतकुमार): माननीय अध्यक्ष जी, जय प्रकाश जी वॉक आउट कर रहे हैं, आप बात सुनने के बाद वॉक आउट कीजिए।… (व्यवधान)

12 34 hrs

At this stage Shri Jai Prakash Narayan Yadav, Shri Dinesh Trivedi and some other Hon. Members left the House.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं एक ही बात बोलना चाहता हूं।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं आपकी बात समझ गई हूं, अब आप उनको बोलने दें।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: मैं अभी यहां चर्चा नहीं करवा रही हूं।

… (व्यवधान)

श्रीमती रंजीत रंजन: सीबीआई जांच से पहले ही कई सबूत नष्ट हो जाएंगे।… (व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मंत्री जी यहां थे, स्टेटमेंट नहीं दी, इसलिए हम वॉक आउट करते हैं।… (व्यवधान)

12 35 hrs

At this stage Shri Mallikarjun Kharge, Shrimati Ranjeet Ranjan and some other Hon. Members left the House

श्री अनंतकुमार : माननीय अध्यक्ष जी, श्रीमती रंजीत रंजन जी और श्री जय प्रकाश नारायण जी ने मुजफ्फरपुर बर्बर कांड के बारे में बच्चों के साथ जो अत्याचार हुआ है, उसके बारे में सदन में बात को कई बार उजागर किया है। इसे उजागर करने के बाद माननीय गृह मंत्री जी ने इसके बारे में जवाब दिया है, जवाब देने के बाद सीबीआई जांच का एलान हुआ है।

आप जानते हैं, सी.बी.आई. जांच निष्पक्ष होगा। मैडम स्पीकर मैं आपको यह भी कहना चाहूंगा कि माननीय सदस्यों ने जिन विषयों को उठाया है, उनको मैं माननीय गृह मंत्री जी के संज्ञान में लाऊँगा।

HON. SPEAKER: If you want to say something, you can say so.

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: श्री श्रीरंग आप्पा बारणे जी। आपका कोई इश्यू नहीं है। आप बैठ जाइए।